एक नजर में

10 दिवसीय दशा माता पूजन आराधना बाद, आज माता को दी जाएगी विदाई

कसरावद निप्र। 10 दिवसीय दशा माता की आराधना की गई। शनिवार को मंत्रोच्चार के साथ हवन संपन्न हुआ है। विशेष पूजा अर्चना सहित धार्मिक अनुष्ठान हुए। हवन के पश्चात कन्या भोज एवं भंडारे मे श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। रविवार को नर्मदा तट पर विसर्जन कर माता को विदाई दी जाएगी। श्रद्धालु अनिल वर्मा, संदीप वर्मा ने बताया कि 10 दिवसीय दशा माता की आराधना की गई। प्रतिदिन पूजन सहित माता जी की भक्ति आराधना मे महिलाओं ने भजन गाए। रविवार को अलसुबह दशा माता जी को नर्मदा तट पर विधी विधान पूर्वक विसर्जन कर विदाई दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि नगर सहित क्षेत्र में दस से अधिक स्थानों पर एक ही दिन माता की स्थापना की गई थी उसके बाद से दस दिवसीय आराधना कर सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना मांगी गई।

नगर परिषद से सेवानिवृत्त सब इंजीनियर हरिनारायण पाटीदार को दी विदाई

महेश्वर निप्र। नगर परिषद् महेश्वर के सब इंजिनियर हरिनारायण पाटीदार को 32 वर्ष की सेवाए पूर्ण करने पर सम्मानित किया गया अपने 62 साल के आयूं में 32 वर्ष के कार्य काल में 20 वर्ष महेश्वर नगर में सेवाए दीद्य इस अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह में नगर परिषद् महेश्वर अध्यक्ष पति गजराज यादव मुख्य नगर पालिका अधिकारी प्रियंक पंड्या उपाध्यक्ष सचिन शर्मा पार्षद शेरू अंसारी शेलेंद्र जैन स्वप्निल गुप्ता मुफ्फज़र अंसारी गजानंद मक्कानी लखन बिलवाल सोनू यादव विक्रम यादव कमलेश देपले सहित अन्य प्रतिनिधि एवं परिषद् के अन्य सदस्य स्वच्छता प्रभारी महेश गहलोत स्थापना शाखा के जगदीश रंसोरे राजस्व शाखा के पुष्प दांत पुराणिक कालूराम वर्मा मनीष वर्मा तथा दरोगा विक्रम शिंदे भी कार्यक्रम में शामिल रहे सभी ने हरिनारायण पाटीदार के योग्दान की सराहना की एवं उज्जवल भविष्य की कामना की द्य

मजिस्ट्रेट यशमी अग्रवाल ने लगाई मोबाइल कोर्ट

मंडलेश्वर, निप्र। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट खरगोन गिरीश कुमार शर्मा के निर्देश पर महेश्वर की न्यायाधीश यशमी अग्रवाल ने जाम गेट रोड पर पलास होटल के पास मोबाईल कोर्ट लगाई मोबाइल कोर्ट में दो पहिया एवं चार पहिया वाहनों के दस्तावेज चेक किए गए एवं बिना बीमा ड्राइविंग लाइसेंस और वाहन के दस्तावेज नहीं होने पर लगभग 91 चालान बनाए जाकर राशि 29500 रुपए का जुर्माना किया गया ।मजिस्ट्रेट यशमी अग्रवाल ने कहा कि मोबाइल कोर्ट की कार्यवाही आम जन में यातायात के नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए की जा रही हैं बिना रजिस्ट्रेशन बिना लाइसेंस और बगैर बीमा के वाहन चलाने से जो आर्थिक नुकसान होता है उससे जनता को बचाया जा सके ।क्योंकि जब दुर्घटना में किसी की मृत्यु हो जाती है और दुर्घटना कारित करने वाले के पास बीमा और लाइसेंस नहीं होता तब बीमा कंपनी मुआवजा नहीं देती और यह मुआवजा स्वयं को देना होता है जो लाखों रुपए हो सकता है ।आमजन सुरक्षित रहे, इसलिए वाहन का वैध बीमा और वाहन चालक का लायसेंस होना आवश्यक है ।मोबाइल कोर्ट में न्यायालय के क्रिमिनल रीडर लालू डुडवे थाना करही की उपनिरीक्षक शकुंतला डुडवे न्यायालय से लक्ष्मण पांडे, शिव कुशवाह राहुल, चेनसिंह सुरेश दिनेश केवट सहित पुलिस स्टाफ मौजूद रहा।

जिपं सीईओ ने योजनाओं की समीक्षा की

खरगोन निप्र। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आकाश सिंह द्वारा गत दिवस शिक्षा विभाग व जनजाति कार्य विभाग की विभिन्न विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक की। बैठक में साइकिल वितरण, गणवेश, एनरोलमेंट, छात्रवृत्ति (स्कॉलरशिप), फेल खातों का अपडेशन, मध्याह्न भोजन एवं नि:शुल्क पाठ्यपुस्तकों की पोर्टल पर प्रविष्टि सहित अन्य विषयों पर समीक्षा की गई। जिला पंचायत सीईओ श्री सिंह ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी लंबित कार्य आगामी एक सप्ताह के भीतर पूर्ण किए जाएं। बैठक के दौरान जिन बीआरसी का कार्य असंतोषजनक पाया गया उन्हें कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिए गए। साथ ही जो संस्था प्रमुख अपने कार्यों में लापरवाही बरत रहे हैं, उनका एक दिन का वेतन काटने के निर्देश भी दिए। बैठक बीईओ, बीआरसी, एसी, डीईओ, डीपीसी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय शंतरज प्रतियोगिता का आयोजन

खरगोन. किसी ने अपने प्यादे से चाल चली तो किसी ने अपने घोड़े को ढाई घर दौड़ाया, किसी के ऊट ने तिरछी चाल चली तो, किसी का हाथी सीधे चल रहा था तो, किसी अपने वजीर को ही सबसे आगे खड़ा कर दिया। सभी का एक ही उद्देश्य था अपने राजा की रक्षा करते हुए सामने वाले को मात देना। अवसर था शिक्षा विभाग की जिला स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता का, जिसमें जिले भर के विभिन्न विद्यालयों के लगभग 250 खिलाड़ियों ने दिमागी कसरत के खेल शतरंज में सहभागिता की। प्रतियोगिता का शुभारंभ जिला शिक्षा अधिकारी श्री शैलेंद्र कुमार कानूडे एवं प्राचार्य महर्षि विद्या मंदिर श्रीमती रेणु राय की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों के खेल शिक्षक उपस्थित थे। प्रतियोगिता में खरगोन, कसरावद, मंडलेश्वर, सनावद, बड़वाह आदि स्थानों 24 शासकीय एवं अशासकीय स्कूलों के अंदर 14 अंदर 17 अंदर-19 ए वर्ग में 250 बालक, बालिकाओं ने सहभागिता चयनित खिलाड़ी संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में सहभागिता करेंगे।

युवा संवाद के माध्यम से मुख्यमंत्री ने दिया छात्रों को मार्गदर्शन

नवभारत न्यूज

खरगोन। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि छात्रों को भगवान श्रीराम के जीवन से प्रेरणा लेकर गरीब से गरीब व्यक्ति के प्रति प्रेमभावना रखना, दोस्तों की सहायता करना और प्रकृति से प्रेम करना सीखना चाहिए। भगवान श्रीराम का जीवन सीख देता है कि सीमित संसाधनों से भी युक्ति और बुद्धि के बल से बड़े से बड़ा युद्ध जीता जा सकता है। भगवान राम के जीवन का सबसे महत्वपूर्ण अध्याय

जिसने उन्हें श्रीराम बनाया, तब आया जब महर्षि विश्वामित्र ने महाराज दशरथ से राक्षसों के संहार के लिए भगवान राम और लक्ष्मण की युवाशक्ति मांगी। उन्होंने जंगल में रहकर गुरु विश्वामित्र के सानिध्य में जीवन से सारे पाठ सीखे। श्रीराम की संस्कृति को आत्मसात करना ही छात्रों के लिए अभ्युदय की अवस्था है। इस आशय से अभ्युदय विश्वविद्यालय के परिसर में श्रीराम दरबार मंदिर का लोकार्पण एक महत्वपूर्ण अवसर है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि निमाड़ के जनजातीय अंचल में अभ्युदय विश्वविद्यालय की स्थापना में उन्होंने उच्च शिक्षा मंत्री रहते हुए महत्वपूर्ण योगदान दिया। यह टंट्या मामा विश्वविद्यालय के बाद जिले का दूसरा विश्वविद्यालय है।

प्रश्नों के दिए उत्तर

विवि के छात्रों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव से विभिन्न विषयों पर मार्गदर्शन मांगा। कंप्यूटर साइंस के छात्र निखिल यादव ने मुख्यमंत्री से पूछा कि विकसित भारत 2047 की अवधारणा में मध्य प्रदेश के युवा अपनी क्या भूमिका निभा सकते हैं।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि युवा अपनी पसंद के क्षेत्र में पढ़ाई पूरी करें और आदर्श किसान, शिक्षक, उद्योगपति अथवा राजनेता बनने का सपना देखें। ।कृषिविज्ञान की छात्रा सीमा यादव ने पूछा कि आदिवासी समुदाय में आधुनिक कृषि को बढ़ावा देने के लिए सरकार क्या काम कर रही है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि खरगोन जिले में दो कृषि विद्यालयों की स्थापना कर उन्नत खेती के गुर सिखाए जा रहे है।मिर्ची एवं अन्य स्थानीय कृषि उत्पादों के लिए खाद्य प्रसंस्करण उद्योग तथा टेक्सटाइल उद्योग लगाने में सरकार सहायता दे ही है।

प्रिंसिपल की अभद्र भाषा के विरोध में उठी छात्र आवाज

एबीवीप का चक्का जाम प्रदर्शन

नवभारत न्यूज

कसरावद। शुक्रवार शाम कसरावद नगर में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ए.बी.वी.पी.) के नेतृत्व में विद्यार्थियों ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए तहसील कार्यालय के सामने चक्का जाम किया। यह प्रदर्शन बोरावां महाविद्यालय के प्रिंसिपल द्वारा विद्यार्थियों के प्रति कथित अभद्र भाषा के प्रयोग के विरोध में किया गया।

शाम 6 बजे शुरू हुआ यह आंदोलन करीब एक घंटे से अधिक चला, जिसमें छात्र तहसील कार्यालय के मुख्य द्वार के सामने धरने पर बैठ गए। इस दौरान रोड पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। मौके पर पहुंचे प्रशासनिक अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन छात्र अपनी मांगों पर अड़े रहे।

छात्रों की प्रमुख मांग थी कि प्रिंसिपल को तत्काल तहसील कार्यालय बुलाया जाए और सार्वजनिक रूप से माफी मंगवाई जाए। ए.बी.वी.पी. कार्यकर्ताओं का कहना है कि कॉलेज में अनुशासनहीनता और प्रशासनिक लापरवाही को लेकर जब उन्होंने सवाल उठाए, तो प्रिंसिपल ने असंसदीय भाषा का प्रयोग किया, जिससे विद्यार्थियों की भावनाएं आहत हुईं।

प्रशासन द्वारा उचित जांच और कार्रवाई के आश्वासन के बाद ही प्रदर्शन समाप्त हुआ। इस घटना से शिक्षा संस्थानों में संवाद के स्तर और प्रशासनिक व्यवहार पर सवाल खड़े हो गए हैं।

पंचायत भवन साल भर में दो बार खुलता है..?

सरपंच, सचिव और रोजगार सहायक के घर से चल रही है ग्राम पंचायत की सरकार

नवभारत न्यूज

कसरावद। जिले के विकास के लिए विकास भवन की स्थापना होती है जिसमें सभी तरह की योजनाओं का संचालन किया जाता है और एक ही भवन में सारी जनता को सुविधाएँ प्राप्त हो जाती है। उसी तर्ज पर सरकार द्वारा ग्राम पंचायत स्तर पर सभी ग्रामों में पंचायत भवन निर्माण किया गया। जिससे विकास संबंधित एवं सभी सरकारी योजनाओं की जानकारी के लिए जनता को इधर-उधर भटकना न पड़े। ग्राम पंचायत अधिकारी एवं ग्राम प्रधान पंचायत भवन में बैठकर जनता की समस्याओं का निराकरण करें और उनके कार्यों को जिला शासन तक पहुंचाएं इसलिए सरकार ने इस मनसा को पूर्ण करने के लिए ग्राम पंचायत को कंप्यूटर लैपटॉप और इंटरनेट की सुविधा से लेस किया लेकिन सरकार के मंसूबों पर पानी फेरने का काम ग्राम सरपंच एवं ग्राम सचिव कर रहे हैं

पड़ताल में मिली जानकारी के अनुसार खरगोन जिले के कसरावद जनपद के ग्राम पंचायत डोंगरगांव भवन में सालों से ताला लटका हुआ है। गांव वालों की माने तो सरपंच अपने घर से सरकार चला रहा है और ग्राम सचिव इस और रोजगार सहायक भवन पर बैठना मुनासिब नहीं समझता। लाचार जनता कभी सरपंच के दरवाजे पर तो कभी जनपद पंचायत भवन का चक्कर अपने कार्यों के लिए लगाते रहते हैं जनता बेचारी लाचार काम के लिए कभी मुखिया के घर तो कभी पंचायत सचिव की तलाश में कार्यालय की दौड़ ग्रामीण लगाते है। सुविधाओं की उपलब्धता के बावजूद सरकारी कर्मी गांव की ओर रुख करना ही नहीं चाहते नतीजा सरकार के लाख प्रयासों के बावजूद पंचायत भवन सपना साकार होने पर ग्रहण लगा है। पंचायत भवन का कब ताला खुलता है और कब बंद होता है यह स्थानीय लोगों को पता ही नहीं है। 31 जुलाई को इस गंभीर मुद्दे पर पत्रकारों द्वारा ग्राउंड पड़ताल किया तो पंचायत भवन पर ताला लगा हुआ था। पत्रकारों ने ग्राउंड पड़ताल किया ग्रामीणों द्वारा पूछे जाने पर जिसमें यह चौंकाने वाले सच सामने आए की ग्राम पंचायत डोंगरगांव कई सालों से नहीं खुली। सिर्फ 26 जनवरी और 15 अगस्त पर ही खुलती है। लेकिन जनता का काम करने के लिए नहीं बल्कि आपस में बात करने के लिए। ग्राम पंचायत में पंचों और सरपंच की बैठक न होने की शिकायत भी आ रही थी। कुछ पंचों का आरोप है कि सरपंच नियमित रूप से बैठकर नहीं बुलाते हैं जिससे ग्राम पंचायत के कामकाज में बाधा आती है। जबकि ग्राम पंचायत की बैठक ग्राम पंचायत के कामकाज के लिए महत्वपूर्ण होती है इन बैठकों में पंच और सरपंच मिलकर ग्राम पंचायत से संबंधित विभिन्न मुद्दो पर चर्चा करते हैं और निर्णय लेते हैं ग्रामीणों को काम के लिए सरपंच हरि चरण तवर, सचिव अरिफ खान और रोजगार सहायक संतोष भालसे, के घर के चक्कर काटना पड़ता है।

डोंगरगांव भवन में सालों से ताला लटका हुआ है

ग्रामीणों द्वारा पूछे जाने पर पता चला कि जनता की सुविधाओं को तो छोड़िए भवन के बाहर हजारों रुपये की ट्यूबवेल की मोटर कई महीनो से पड़ी हुई है जो खराब हो चुकी होगी। उनके पास मोटर को अंदर रखने का समय नहीं है। सरपंच सचिव रोजगार सहायक कभी पंचायत में नजर नहीं आए जबकि पंचायत भवन में जनता की आवश्यकता के लिए बहुत सारी सुविधाएं दी गई है ताकि गांव का काम गांव में ही हो सके। और बाहर न जाना पड़े लेकिन पड़ताल में पता चला की जनता की कोई सुनने वाला इस पंचायत भवन में नहीं बैठता है। लेकिन सब गोलमाल चल रहा है।

चौकी प्रभारी ने विद्यार्थियों की कीचड़ भरी राह कराई सुगम

नवभारत न्यूज

बागोद। पुलिस को जहां आमतौर पर केवल कानून व्यवस्था की भूमिका में नजर आती है, वही बागोद पुलिस चौकी इन दिनों कानून व्यवस्था के साथ ही सामाजिक सरोकार से जुड़े कार्यों के लिए चर्चाओं में बनी हुई है। चौकी प्रभारी हरिशंकर पान्टेल सिर्फ एक पुलिस अधिकारी नहीं, बल्कि समाजसेवा के प्रति समर्पित एक संवेदनशील जनप्रतिनिधि के रूप में उभरकर सामने आए हैं।

हाल ही में उन्होंने हाई सेकेंडरी स्कूल में बारिश के चलते विद्यार्थियों को आवाजाही में हो रही कीचड़ की समस्या को गंभीरता से लिया। विद्यार्थियों को रोजाना गीले और कीचड़ भरे रास्ते से निकलते देख चौकी प्रभारी पान्टेल ने स्वयं की पहल पर रास्ते पर रेत. मिट्टी, चुरी डलवाकर रास्ते को समतल कर आवागमन सुगम कराया। इससे अब छात्रों को कीचड़ में फिसलने या कपड़े खराब होने की परेशानी नहीं होगी। इस कार्य की न केवल विद्यार्थी, बल्कि पालक एवं ग्रामीण भी सराहना कर रहे है। श्री पान्टेल ने बताया कि पुलिस की भूमिका केवल अपराध नियंत्रण तक सीमित नहीं है, बल्कि जब तक हम समाज की समस्याओं को अपने पन से नहीं समझेंगे।

खाना बनाने की बात पर ससुर की कुल्हाड़ी मारकर की थी हत्या, न्यायालय ने सुनाया आजीवन कारावास

खरगोन। खाना बनाने की बात पर टोकना बहु को इस कदर नागवर गुजरा की उसने आवेश में आकर कुल्हाड़ी से ससुर पर प्राण-घातक हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। इस मामले में आरोपी बहु को न्यायालय ने दोष सिद्ध होने पर आजीवन कारावास और अर्थदंड से दंडित किया है।

मामले की पैरवीकर्ता अपर लोक अभियोजक युवराज गुजराथी ने बताया कि घटना 7 मई 2023 को रात करीब 11.50 बजे मृतक के भाई दयाराम पिता आपसिंग ने पुलिस को रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसका बड़ा भाई दल्लू उसके पड़ोस में टपरी बनाकर रहता है, घटना रात लगभग 8 बजे दल्लू और बहू रंजुबाई के बीच खाना बनाने की बात को लेकर आपस में झगड़ा हो रहा था। गुस्से में आकर रजुबाई ने दल्लू पर कुल्हाड़ी से वार कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

एक नजर में — मंडलेश्वर के शासकीय कन्या उमावि में पदस्थ होने के बाद बबीता को शिक्षकों ने पढ़ने के लिए प्रेरित किया

करोना ने दिया जख्म , शिक्षकों की प्रेरणा से सफलता पाई

नवभारत न्यूज

मंडलेश्वर, निप्र। करोना ने लाखो लोगों की जिंदगी छीनी कई बेसहारा हुए कई के घर उजड़े माताओं ने अपने लाल तो सुहागिनों ने अपना सुहाग खोया ।लेकिन जिंदगी कभी रुकती नहीं है चाहे जो परिस्थिति हो जीवन हमेशा चलता रहता है रुकावटें जीवन की रफ्तार धीमी कर सकती है रोक नहीं सकती।

संकटों का सामना करने में नारी ने कभी पीठ नहीं दिखाई ।नारी का साथ मिलने से पुरुष का जीवन सुखमय होकर सफलता की ऊंचाइयों पर पहुंच जाता है। कारणवश जब किसी परिवार से एक साथी बिछड़ जाता है तो परिवार चलाना और जीना संघर्षमय हो जाता है ।ऐसा ही मजाक कोरोना ने मासूम बबीता के साथ किया ।आगर मालवा जिले के ग्राम तनोडिया के संयुक्त राजपूती परिवार में एक बच्चे सास ससुर और जेठ जेठानी के साथ रहने वाली रामकुंवर बाई सोनगरा उर्फ बबीता के पति धर्मेन्द्र सिंह राठौर की करोना से मौत के बाद जिंदगी थम सी गई ।अभी शादी को 8 साल ही हुए थे। 9 वी तक पढ़ी बबीता के सामने बड़ा संकट था ।बबीता को पति की मृत्यु के मात्र चार माह बाद ही 2021में अनुकम्पा मिल गई ।मंडलेश्वर के शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक स्कूल में पदस्थ होने के बाद बबीता को शिक्षकों ने पढ़ने के लिए प्रेरित किया ।तब बबीता ने 2023 में प्रायवेट 10 वी पास की और 2025 में हायर सेकंडरी परीक्षा दी ।और दूसरे प्रयास में उत्तीर्ण हुई ।बबीता की इस सफलता पर विद्यालय में जश्न मना शिक्षक और छात्राओं ने उनका सम्मान किया।

शिक्षकों व छात्राओं ने बधाई दी

बबीता ने कहा कि मैं नर्वस थी पढ़ाई छोड़े 10 साल हो चुके थे इसलिए अब पढ़ना मुश्किल लग रहा था काम का बोझ भी अधिक था लेकिन शिक्षकों के सहयोग और प्रोत्साहन से मैने सफलता हासिल कर ली अब और आगे पढ़ने का इरादा है ।प्राचार्य एस एस डावर प्रधान पाठक दिलीप खेडेकर विजय वानखेड़े संतोष शर्मा प्रकाश भंडोले संजय राज पाटीदार एजाज अली श्रीमती शबनम खान ज्योत्सना शर्मा मेघना कानूनगो सीमा भटोरे कविता भालसे मोनिका मंडलोई सहित शिक्षकों एवं छात्राओं ने बधाई दी।